पेरिस ज़िंक रूफर्स

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में फ्राँसीसी संस्कृति मंत्रालय ने **पेरिस में ज़िंक रूफिंग पेशे** को **यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) सूची** के लिये नामित किया, जिसमें शिल्प कौशल पर प्रकाश डाला गया।

- ज़िंक की छतें लगभग 200 वर्षों से पेरिस की वास्तुकला का अभिन्न अंग रही हैं, जिसके तहत भवनों के निर्माण में व्यापक रूप से 21.4 मिलियन वर्ग मीटर ज़िंक-रूफ का योगदान है।
    - **ज़िंक की छतें पेरिस की भव्यता का हिस्सा** हैं, लेकिन खराब इन्सुलेशन/तापावरोधन के कारण इमारतें गर्म हो जाती हैं, इस कारण इसकी आलोचना भी की जाती है; क्योंकि **ज़िंक की छतें ऊष्मा के अवशोषण को बढ़ाती** हैं जिससे **आंतरिक तापमान में वृद्धि** हो जाती है।
- यूनेस्को की ICH सूची में ऐसे ज्ञान और कौशल शामिल हैं, जो पीढ़ियों से चले आ रहे हैं, जैसे:**वाचिक /मौखिक परंपराएँ, प्रदर्शन कलाएँ, सामाजिक प्रथाएँ,** अनुष्ठान, उत्सव, पारंपरिक शिल्प तथा समकालीन ग्रामीण व शहरी प्रथाएँ।
- यूनेस्को ICH सूची में भारत के कुल 15 तत्त्व अंकित हैं।

यूनेस्को में भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची:

सूची	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत तत्त्व	यूनेस्को हेरिटेज नामांकन का वर्ष
1.	कुटियाट्टम, संस्कृत रंगमंच	**2008**
2.	वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा	**2008**
3.	रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन	**2008**
4.	राममन, गढ़वाल हिमालय, भारत का धार्मिक उत्सव और अनुष्ठानिक रंगमंच	**2009**
5.	छऊ नृत्य	**2010**
6.	राजस्थान के कालबेलिया लोकगीत और नृत्य	**2010**
7.	मुदियेट्टू, केरल का अनुष्ठानिक रंगमंच और नृत्य नाटक	**2010**
8.	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार: ट्रांस-हिमालयी में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत	**2012**
9.	मणिपुर का संकीर्तन, अनुष्ठानिक गायन, ढोल वादन और नृत्य	**2013**
10.	जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच बर्तन बनाने का पारंपरिक पीतल और ताँबे का शिल्प	**2014**
11.	नवरोज़	**2016**
12.	योग	**2016**
13.	कुंभ मेला	**2017**
14.	कोलकाता में दुर्गा पूजा	**2021**
15.	गुजरात का गरबा	**2023**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/paris-zinc-roofers